ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
कृषि अनुसंधान केन्द्र
स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय
बीकानेर – 334006
Phone 0151 2250018, 0151 2250570
Email: arsagrometbikaner@gmail.com

उत्तमा वृत्तिस्तु कृषिकर्मैव

क्रमांकः एफ/एग्रो/एग्रोमेट./25 दिनांकः **24.06.2025**

जिलाः– बीकानेर

मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि सलाह

अवधि 24 जून 2025 से 28 जून 2025 तक

गत सप्ताह के मौसम की समीक्षाः इस दौरान अधिकतम तापमान 34.6 से 46.2 °C एवं न्यूनतम तापमान 25.5 से 32.8 °C के मध्य रहा। इस दौरान धीमी गति की हवायें चली एवं आपेक्षिक आर्द्रता 18 से 68% रही ।

आगामी सप्ताह की मौसम भविष्यवाणीः भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली एवं राज्य मौसम केन्द्र, जयपुर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर बीकानेर जिले में आगामी 5दिनों के दौरान (24.06.2025 से 28.06.2025) 24.06.2025 व 27.06.2025 से 28.06.2025 तक पूर्णाच्छादित छाए रहने, 25.06.2025 से 26.06.2025 तक बादल छाए रहने, न्यूनतम तापमान 27.0-30.0°C और अधिकतम तापमान 34.0-39.0°C के मध्य रहने की संभावना है। इस दौरान दधिणी दधिणी पूर्वी, दधिणी दधिणी पधिमी और पधिमी दधिणी पधिमी दिशा से तेज गति की हवायें बहुत कम सापेक्ष आर्द्रता के साथ चलने की संभावना है।

मौसम कारक	दिनांक				
	24.06.2025	25.06.2025	26.06.2025	27.06.2025	28.06.2025
वर्षा) एम.एम. (	**66**	**10**	**10**	**118**	**79**
आसमान में बादलो की स्थिति	पूर्णाच्छादित	घने बादल	घने बादल	पूर्णाच्छादित	पूर्णाच्छादित
अधिकतम तापमान ° C)	**38**	**39**	**38**	**37**	**34**
न्यूनतम तापमान (° C)	**30**	**29**	**29**	**27**	**27**
वायु दिशा	दधिणी दधिणी पधिमी	दधिणी दधिणी पधिमी	दधिणी दधिणी पधिमी	पधिमी दधिणी पधिमी	दधिणी दधिणी पूर्वी
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	**42**	**34**	**38**	**74**	**52**
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	**59**	**54**	**53**	**79**	**76**
औसत वायु गति {कि./घण्टा}	**17**	**15**	**15**	**9**	**8**
वर्षा) एम.एम. (	**283.00**				

कृषकों के लिए कृषि सलाह (Agro Advisory): गत सप्ताह की मौसम समीक्षा एवं इस सप्तक के लिए मौसम पूर्वानुमान के आधार पर किसान भाइयों को निम्न सलाह दी जाती है ।

विशेष सलाह	आने वाले दिनों में ओलावृष्टि के साथ हल्के से भारी बारिश/धूल भरी झौंकेदार तेज हवाएं चलने/बिजली गिरने की संभावना है। कृषि मंडियों में खुले में रखे हुए अनाज व जिंसो का सुरक्षित स्थान पर भण्डारण करें ताकि उन्हें भीगने से बचाया जा सके । मेघगर्जन व आकाशीय बिजली चमकने के दौरान पेड़, खम्भों व पानी के स्रोतों से दूर रहें व सुरक्षित जगह पर शरण लेवें। भविष्य के लिए पानी और नमी की हर बूंद का संरक्षण करें। क्षारीय वाले खेतो मे मानसून की वर्षा शुरू होने से पहले गहरी जुताई करके जिप्सम या सड़ी हुई गोबर की खाद डालकर रखे ।

फसल	अवस्था	विवरण	कृषि सलाह
मूंगफली	बुवाई की तैयारी	खेत की तैयारी, बुवाई का समय, बीज दर, फसल ज्यामिति, उर्वरक, किस्में एवं बीज उपचार	मूंगफली की बुआई का उपयुक्त समय शुरू हो चूका है । जमीन तैयार करें और बीज, खाद, औजार आदि की व्यवस्था करें। मूंगफली की बीज दर 20 किग्रा प्रति बीघा प्रयोग करें। कतार से कतार की दूरी 30 सेंटीमीटर रखें। मूँगफली मे बिजाई से पहले 2.5 ग्राम क्लोरोथेलोनिल या 2 ग्राम कार्बेण्डाजीम प्रति किलो की दर से उपचारित करे । जहाँ सफेद लट का प्रकोप हो वहाँ 3 मिली लीटर प्रति किलो की दर से इमिडाक्लोप्रिडकाम मे लेवें। इसके बाद राइजोबियम पी एस बी जीवाणु खाद 3 पैकेट/है. की दर से उपचारित करे । बुवाई के समय 44 किग्रा यूरिया एवं 200 किग्रा एस एस पी /है की दर से उर्वरक काम में लेवें। बिजाई के लिए उन्नत बीज जैसे आरजी-510, एचएनजी-123, मल्लिका, एचएनजी-69, एचएनजी-10, टीजी37 ए आदि उन्नत क़िस्मों के बीज की बिजाई करें।
मूंग	बुवाई की तैयारी	बुवाई का समय, बीज दर, एवं किस्में	मूंग की बुवाई के लिए जून का दूसरा पखवाड़ा उचित समय है इसके लिए एस.एम.एल -668, एमएच-421, एमएच-1142, वर्षा (आईपीएम 2के14-9), शिखा (आईपीएम 410-3), आर.एम.जी.-62, आर.एम.जी.-268 व आर.एम.जी.-492 किस्मे अच्छी है, बुवाई के लिए 4 किलो बीज/बीघा की दर से बोएं।
बाजरा	बुवाई की तैयारी	खेत की तैयारी, बुवाई	मानसूनी बारिश होने पर बारानी बाजरा की बुआई की तैयारी करें। एमपीएमएच 17, आरएचबी 177, आरएचबी 173, एचएचबी 67(आई), आईसीएमएच 356 आदि उन्नत किस्मों के बीज की व्यवस्था करें।
कद्दूवर्गीय सब्जियों	फलन	फलों की तुडाई	ग्रीष्मकालीन कुष्माण्ड कुल की सब्जियों तथा तरबूज व खरबूज के फलों की तुडाई फलों के पकने पर ही करें । फल के पास के डण्ठल का सूखना, बजाने पर डल आवाज आना, फल के रंग में परिवर्तन होना फलों के पकने का संकेत है । पानी देने के तुरन्त बाद (12-24 घन्टे) कच्चे फल न तोडे क्योकि कच्चे फल तोड़ने के बाद में पकते नहीं है।
ज्वार	पहली कटाई	ज्वार की विषाक्तता कम करें	अप्रैल में बिजाई की गई ज्वार में जहरीला पदार्थ धुरिन हो सकता है जो पशुओं के लिए हानिकारक है अतः 2-3 पानी लगाने या अच्छी वर्षा के तुरंत बाद ही पशुओं को खिलाने के लिए काटें।
पशुधन		खाद्य, पोषक प्रबंधन एंव स्वास्थ्य	शुष्क क्षेत्रों में गर्मियों में हरे चारे की कमी हो जाती है, अतः पंजीकृत पशु चिकित्सक की सलाह से प्रोटीन युक्त, उच्च पोषण वाली यूरिया – मोलसेज ईंटों का निर्माण करके पशुओं को खिलाएँ ।
भण्डारण			अनाज का भण्डारण 8 प्रतिशत या इससे कम नमी पर करें। पुराने बारदाने को धूप में सुखा कर काम में लें। ध्यान रहे गोदाम में कहीं भी दरार न रहे। गोदाम को 3 ग्राम सलफोस प्रति 200 घन फुट की दर से घुमित कर वायु रोधित बंद करें। गोदाम को चूहों से सुरक्षित रखें ।

सह–आचार्य एवं तकनीकी अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

क्षेत्रीय अनुसन्धान निदेशक एवं
नोडल ऑफिसर – ग्रामीण कृषि मौसम सेवा